Contents

:: अनुक्रमणिका ::

अध्याय : एक : विषय-प्रवेश : ओशो का जीवन और व्यक्तित्व

पृ. 001 से 074

प्रास्ताविक — शैशवकाल — रजनीशजी की स्कूली शिक्षा — पाठशाला के वर्ष — माता-पिता तथा पारिवारिक सदस्यों के प्रति विद्रोहात्मक रवैया — विश्वविद्यालय के वर्ष (सन् 1952-1966) — अध्यापन कार्य — बम्बई के वर्ष (1968-1974) — पूना के वर्ष (1974-81) रजनीशपुरम् : यु.एस.ए. का दौर — ओरेगोन — विश्व-भ्रमण — भौतिक-देह त्याग — निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय : दो : ओशो रजनीश और हिन्दी साहित्य पृ.075 से 138

प्रास्ताविक — साहित्य-विषयक अवधारणाएं — ओशो साहित्य की कुछ बानगियां — ओशो का हिन्दी साहित्य में योगदान — विभिन्न मत — डा. दामोदर खड़से — डा. यु.म. भांडारकर — अमृता प्रीतम — निरूपमा सेवती — रमानाथ अवस्थी — कन्हैयालाल नंदन — डा. वेदप्रताप वैदिक — जापानी हायकुओं पर ओशो के विचार — डा. उर्मिलासिंह के विचार — निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय : तीन : ओशो-साहित्य : एक विहंगम दृष्टिपात पृ. 139-208

प्रास्ताविक — सुनो भाई साधो — ॐ मणि पद्मे हुम् — पतंजलिः योग-सूत्र — समुंद समाना बुंद में — महावीर :

परिचय और वाणी — ध्यानयोग (प्रथम और अंतिम मुक्ति) — घाट भुलाना बाट बिनु — तत्वमसि — भारत के जलते प्रश्न : स्वर्ण पाखी जो था [illegible] कभी और अब है भिखारी जगत का — संभोग से समाधि की ओर — शिक्षा में क्रान्ति —कृष्ण-स्मृति — ईशावास्योपनिषद — चरैवेति-चरैवेति — उपनिषदों पर ओशो-साहित्य — कृष्ण, महावीर और बुद्ध पर ओशो-साहित्य — लाओत्से, अष्टावक्र, झेन साधु तथा सूफियों पर ओशो-साहित्य — ध्यान, साधना, योग तथा तंत्र पर ओशो साहित्य — राष्ट्रीय तथा सामाजिक समस्याओं पर ओशो-साहित्य — साहित्य-शिविरों का साहित्य — प्रश्नोत्तर साहित्य — संत-साहित्य और ओशो — निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय : चार : ओशो रजनीश और हिन्दी सन्त-काव्य परंपरा

पृ. 209-263

प्रास्ताविक — कबीर — सहजोबाई — मलूकदास — मीरांबाई — दयाबाई — संत दादू — जगजीवनदास —अन्य सन्तों की वाणी पर ओशो [illegible] का चिंतन — निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय: पांच : विविध विषयों पर ओशो के विचार पृ. 264-319

प्रास्ताविक — भारत : समस्याओं का ढेर — गरीबी की समस्या — शिक्षा की समस्या — नारी-चेतना और ओशो — दलित-चेतना और ओशो — परिवार-नियोजन पर ओशो के विचार — समाजवाद पर ओशो के विचार — पूंजीवाद और ओशो — गांधीवाद और ओशो — ओशो और सेक्स — ओशो का प्रेम-विषयक

दृष्टिकोण — प्राचीन तथा अर्वाचीन कुछ महानुभावों के सन्दर्भ में ओशो के विचार — निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय: छः : ओशो-साहित्य : शिल्प एवं भाषिक-संरचना

पृ. 320 - 362

प्रास्ताविक — (क) शिल्प : कविता — गद्यकाव्य — लघुकथा — समालोचना — लेख-निबंध — संस्मरण — पत्र — साक्षात्कार — बोधकथा ।
(ख) भाषिक-संरचना : शब्द-विचार — सरलता — काव्यात्मकता — प्रतीकात्मकता — तार्किकता — व्यंग्यात्मकता — हास्य-प्रधानता — दृष्टांत-शैली — — व्याख्या-शैली — समास-शैली — विश्लेषणात्मक-शैली — धाराशैली — सूक्तियां — निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय : सात : उपसंहार पृ. 363-374

समग्राकलन — उपलब्धियां — संभावनाएं ।

सन्दर्भिका : पृ. 375-386

परिशिष्ट : एक : उपजीव्य- ग्रन्थों की सूची
परिशिष्ट : दो : सहायक-ग्रन्थों की सूची (हिन्दी)
परिशिष्ट : तीन : सहायक-ग्रन्थों की सूची (अंग्रेजी)
परिशिष्ट : चार : ओशो-साहित्य
परिशिष्ट : पांच : पत्र-पत्रिकाएं

xxxxxxxxxx